पावन जीवन चरित्र

श्रीश्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज जी का जीवन चरित्र

SGD

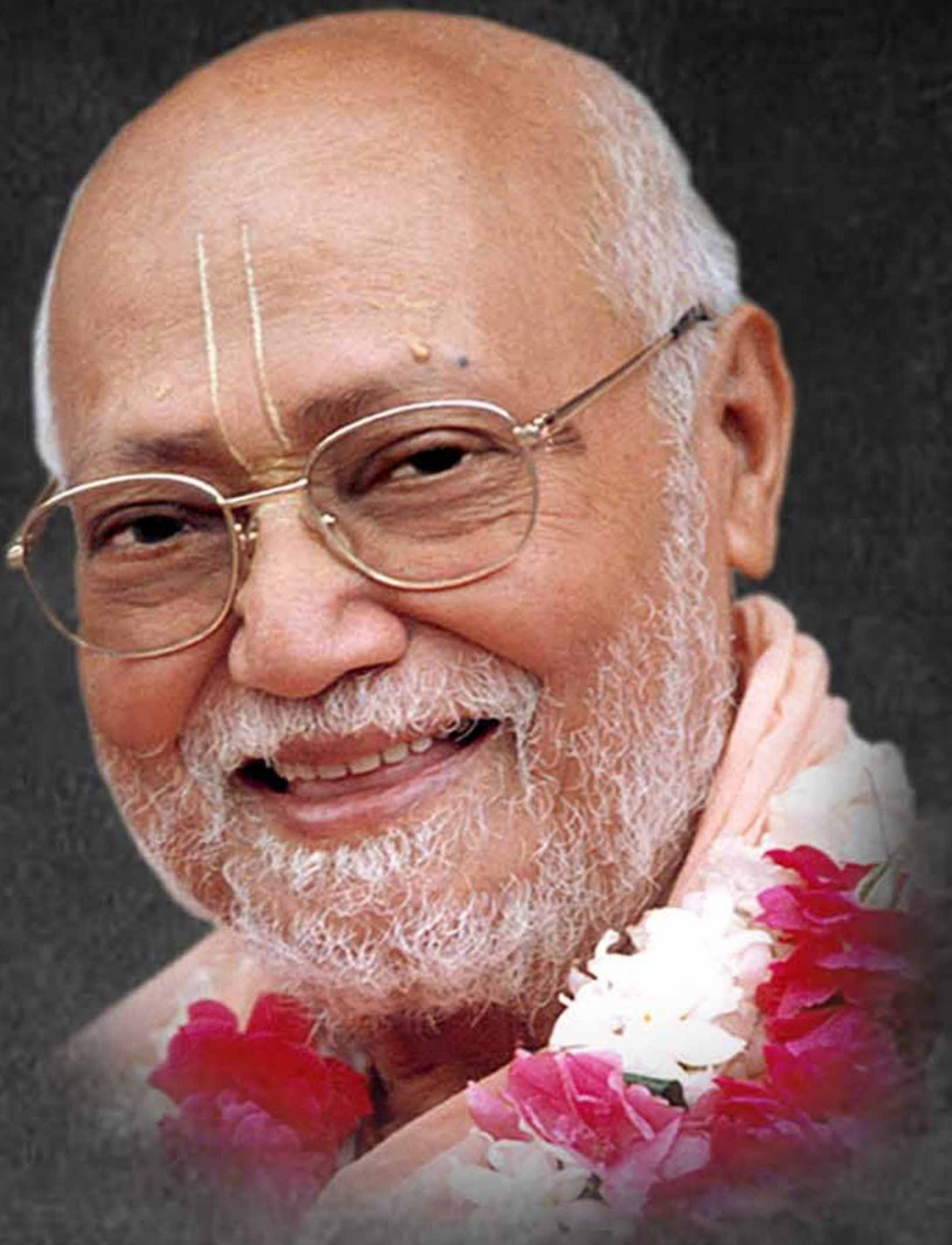

निखिल भारत श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ
प्रतिष्ठान के प्रतिष्ठाता,
नित्यलीला प्रविष्ट ॐ 108
श्री श्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज विष्णुपाद जी के
प्रियतम शिष्य, त्रिदण्डिस्वामी
श्रीमद् भक्तिबल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराज
जी द्वारा सम्पादित

SGD

तृतीय खण्ड

भाग – 4

जालन्धर का वार्षिक धर्म-सम्मेलन

श्रीलगुरुदेव

जालन्धर शहर के प्रतापबाग स्थित श्रीभगत सिंह पार्क में बने विशाल सभामण्डप में 4 अप्रैल वृहस्पतिवार से 7 अप्रैल, रविवार तक श्रीचैतन्य महाप्रभु जी की शुभाविर्भाव-तिथि के उपलक्ष्य में धर्मसम्मेलन का आयोजन हुआ। इन सभाओं में सभापति और प्रधान अतिथि रूप से उपस्थित थे- श्री चतुर्भुज मित्तल, डा० डी० डी० ज्योति, भूतपूर्व शिक्षामन्त्री, लाला जगत् नारायण, भूतपूर्व खाद्यमन्त्री, श्री रामप्रकाश दास, भूतपूर्व मन्त्री,

श्री मनमोहन कालिया, प्रोफेसर रूपनारायण शर्मा, पी० एच० डी०, श्री श्रीकान्त आपटे और पण्डित सत्यपाल भारद्वाज जी। श्रीचैतन्य महाप्रभु जी द्वारा आचरित और प्रचारित प्रेमभक्ति ही सर्वोत्तम है, ये विषय श्रील गुरुदेव जी से सुनकर सभी श्रोता तथा सभा में उपस्थित विशिष्ट व्यक्ति बड़े प्रभावित हुए। श्रील गुरुदेव जी की इच्छानुसार अलग-अलग दिनों में तथा अलग-अलग समय पर जिन्होंने भाषण दिया था वे हैं- पूज्यपाद श्रीमद् कृष्ण केशव ब्रह्मचारी, श्रीमद् भक्ति बल्लभ तीर्थ महाराज जी और

श्रीमद् भक्ति विज्ञान भारती महाराज जी। 6 अप्रैल शनिवार को साँय 4 बजे सभामण्डप से शहर के मुख्य-मुख्य मार्गों से होती हुई एक विशाल नगर-संकीर्त्तन-शोभायात्रा निकाली गयी। इस विशाल नगर-संकीर्त्तन में और संकीर्त्तन सेवा में मुख्यरूप से थे - पूज्यपाद श्रीमद् ठाकुरदास ब्रह्मचारी प्रभु, श्रीमद् भक्ति ललित गिरि महाराज जी, श्रीमद् भक्ति बल्लभ तीर्थ महाराज जी तथा श्रीमद् भक्ति प्रसाद पुरी महाराज जी। पंजाब के विभिन्न स्थानों से एवं दिल्ली से आयी संकीर्त्तन मण्डलियों ने इस महासंकीर्त्तन-

सम्मेलन में योगदान दिया था । श्रीचैतन्य महाप्रभु जी की शिक्षा के प्रचार-प्रसार के इस कार्यक्रम में श्रील गुरुदेव जी के कृपासिक्त दीक्षित शिष्य श्रीसुदर्शन दासाधिकारी (श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल जी) का विशेष सराहनीय योगदान रहा और इसीलिए उन्हें श्रील गुरुदेव जी का बहुत आशीर्वाद मिला।

श्रीलगुरुदेव